



हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ सोनपेठ संचलित

कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ, जि. परभणी

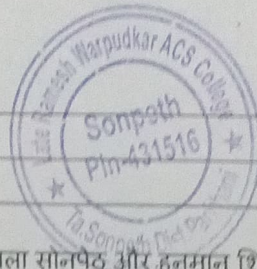
हिंदी विभाग

शैक्षणिक वर्ष : 2023 - 2024



भाग - अ		
उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक	10	
उपक्रम / कार्यक्रमाचे नाव	हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर	
दिनांक-	16 जनवरी 2024	
उपक्रम / कार्यक्रमाचे स्वरूप	प्रतिमा पुजन और व्याख्यान	
उद्देश	१	हिंदी भाषा में रोजगार की संभावनाएं अधिक है।
	२	बैंक, मीडिया, फिल्म, उद्योग आदि क्षेत्रों में हिंदी की उपयोगिता बढ़ रही है।
	३	शिक्षा के क्षेत्र में भी रोजगार संबंधी हिंदी का प्रचार प्रसार बढ़ रहा है।
	४	हिंदी विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषा है इसे समझाना।
	५	हिंदी भाषा के वैश्विक रूप ने रोजगार के क्षेत्र खुले हुए हैं इस बात को स्पष्ट करना।
प्रमुख पाहुणे / मार्गदर्शक / व्याख्याते	अध्यक्ष मुख्याध्यापक माननीय निवृत्ति गोरे प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता, प्रा. डॉ संतोष रणखांब माननीय उषा बनसोडे मॅडम	
उद्घाटक		
ठिकाण	जिला परिषद माध्यमिक प्रशाला सोनपेठ जि. परभणी	
उपस्थिती	विद्यार्थी	120
	कर्मचारी	08
	इतर	02
	एकूण	130

25/01/24



भाग - ब

उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक संक्षिप्त विवरण

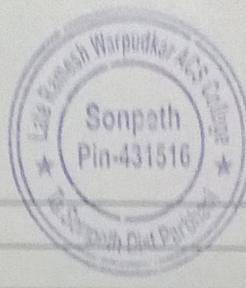
तारीख 16 जनवरी 2023 को जिल्हा परिषद प्रशाला सोनपेठ और हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडल संचालित कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सामंजस्य करार (MOU) के अंतर्गत सावित्रीबाई फुले सभागार में 'विश्व हिंदी दिवस' के सप्ताह के तौर पर " हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर " इस विषय को लेकर व्याख्यान के कार्यक्रम का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के प्रतिमा पूजन से की गई साथ ही " विश्व हिंदी दिवस " इस भित्ति पत्र का विमोचन किया गया।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में मुख्याध्यापक माननीय निवृत्ति गोरवे सर उपस्थित थे। तो प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता, डॉ संतोष रनखांब, उषा बनसोडे मॅडम उपस्थित थी। प्रो. डॉक्टर वनिता कुलकर्णी ने " हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर " इस विषय को लेकर मार्गदर्शन करते हुए कहा, "आज हिंदी भाषा के बढ़ते चलन और वैश्विक रूप ने रोजगार की अनेक संभावनाओं को उजागर किया है। विविध क्षेत्रों में इसकी स्वीकृति और प्रयोजनियता बढ़ने से हिंदी को नई दृष्टि से देखा जा रहा है। निश्चित ही इस दृष्टि में बाजार का बहुत बड़ा योगदान है। विज्ञान और तकनीक के युग के साथ हिंदी कदमताल करती दिखाई दे रही है। जब भी भाषा का विस्तार और विकास होता है तब उसने एक दृष्टि जुड़ जाती है वह है रोजगार की संभावना। जानार्जन की अभिलाषा के कारण अनुवाद प्रौद्योगिकी का विकास हो रहा है। हिंदी अधिकारी, अनुवादक, प्रबंधक के रूप में रखे जा रहे हैं। जाहिर है कि हिंदी वालों के लिए यह सुनहरा क्षण है। साथ ही इस कार्यक्रम में डॉक्टर संतोष रनखांब सर ने " विज्ञानातील व्यावसायिक संधि " इस विषय को लेकर अपना मंतव्य रखा। अध्यक्षिय समापन मुख्याध्यापक गोरवे सर ने किया।

इस कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किशोर धिवार सरने किया। तो आभार रामेश्वर यादव सर ने माना। इस कार्यक्रम को यशस्वी बनाने के लिए आशीष धसकटे, यशपाल सावंत आदि ने मदद की।

उपक्रम / कार्यक्रमाची उपयुक्तता

हिंदी में आज कई तरह के रोजगार के मौके सामने आए हैं। सभी सरकारी अधिकारियों को दफ्तरों में हिंदी का उपयोग अनिवार्य बनाया गया है। आदेश, नियम, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, अनुबंध, विभिन्न प्रारूपण को हिंदी में बनाना अनिवार्य है। इस बात की जानकारी छात्रों को मिलने से छात्र हिंदी बोलने और पढ़ने का प्रण करते हैं साथ ही रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलने से छात्रों को प्रेरणा मिली।



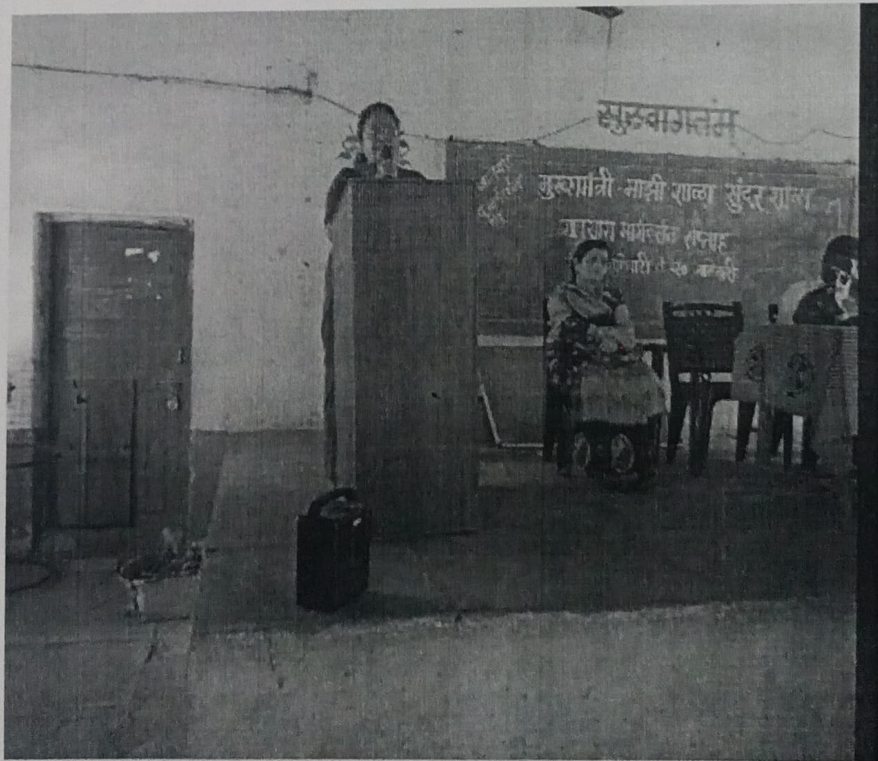
अंश - क			
उपक्रम / कार्यक्रमाचे खर्चाचे विवरण			
अ क्र	खर्चे करणाऱ्या आलेल्या वस्तूचे विवरण	झालेला खर्च (रु)	शेरा
1.	पुरुष हार, पुरुषा मुच्छ	80	
2.	माशुता कपोरी	900	
एकूण खर्च		980	
अहवाल सादर करणाऱ्या समिती / विभाग हिंदी			
पद	नाव	स्वाक्षरी	
समिती अध्यक्ष/ विभाग प्रमुख	प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबुराव		
समन्वयक	प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबुराव		
सदस्य	प्रा. डॉ. वडचकर शिवाजी आप्पाराव		
अहवाल सादर केल्याचा दिनांक: 16 / 1 / 2024			

टीप: सोबत कार्यक्रमाचे GEO TAGGED फोटो व वर्तमानपत्रातील बातम्या जोडाव्यात

प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबुराव

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS)
College, Sonpeth Dist. Parbhani







जि.प.प्रशालेत व्यवसाय मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न

सोनपेठ (दर्शन) :- सोनपेठ येथिल जि.प. प्रशालेच्या सावित्रीबाई फुले सभागृहात विद्यार्थ्यांसाठी व्यवसाय मार्गदर्शन सप्ताहांतर्गत 'भाषा आणि विज्ञान यांमधील रोजगाराच्या संधी' विषयावर मार्गदर्शन शिबिराचे आयोजन करण्यात आले होते. याप्रसंगी कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी मुख्याध्यापक श्री निवृत्ती गोरवे, मार्गदर्शक प्रा. डॉ. वनिता कुलकर्णी, प्रा. डॉ. संतोष रणखांब, उपा. बनसोडे हे यावेळी मंचावर होते.

शहरातील जि.प. प्रशालेच्या वतीने सावित्रीबाई फुले सभागृहात शिक्षणानंतर काय ? यासाठी व्यवसाय मार्गदर्शन सप्ताह राबवण्यात येत आहे. या बाबत व्यवसायिक मार्गदर्शन करण्यासाठी 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर' या विषयावर प्रा. डॉ. वनिता



कुलकर्णी तर 'विज्ञानातील व्यवसायिक संधी' या विषयावर प्रा. डॉ. संतोष रणखांब यांनी मार्गदर्शन केले. अध्यक्षीय समारोपात व्यवसायाची आवड, चिकाटी, त्याबद्दलचे ज्ञान आणि व्यवसाय विषयक एकाग्रता हे गुण यशस्वी व्यावसायिक बनण्यासाठी अत्यंत आवश्यक असतात, असे मत मुख्याध्यापक निवृत्ती गोरवे यांनी व्यक्त

केले. या कार्यक्रमाचे आयोजन कै.र.व.महाविद्यालयाच्या हिंदी विभाग व प्राणीशास्त्र विभागाच्या सामंजस्य करारा अंतर्गत जि.प.प्रशालेत करण्यात आले होते. या कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन किशोर धिवार यांनी तर आभार रामेश्वर यादव यांनी मानले. या कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी आशिष घसकटे, यशपाल सावंत, थोरात आदींनी प्रयत्न केले.